our national economy and also the dedicated service of its scientists and technicians.

16.38 hrs.

RE: DISCUSSION ON INCREASE IN PRICES OF ESSENTIAL COMMODITIES

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI K. RAGHU RAMAIAH): This morning a feeling was expressed by hon. Members on both sides of the House that there should be a discussion on the increase in prices of essential commodities. At that time I said that I will report to the House the reaction of the Government. It is true that this subject was discussed earlier in this session. All the same, Government are agreeable to a discussion. I suggest that this discussion may be under rule 193 and it may be taken up on the 15th May.

16.39 hrs.

DISCUSSION RE. FERTILIZER CORPORATION OF INDIA—*contd.*

श्री दरबारा सिंह (होशियारपुर) : सभापति महोदय, हमारे दोस्त श्री गुहा ने एक निहायत संजीदा मसला उठाया है और इस के बारे में मुझे खुशी है इस बात की कि उन्होंने पूरे तौर पर इंडियनाइजेशन के लिए एक केस बनाया है। यह चाहिए भी था क्योंकि हम चाहते हैं कि हमारा मुल्क सेल्फ सफिश्येंट हो कर लिहाज से, और आज तो फर्टिलाइजर की बहुत जरूरत है इस बात के लिए कि हमारे फूडग्रेन्स ज्यादा हों। हम पिछले सालों से कोशिश करते आए हैं और उस कोशिश में हम बहुत हद तक कामयाब नहीं हो सके कि फर्टिलाइजर उस मिकदार में मिल सके जिस में हमें जरूरत है। इसलिए यह मामला और भी अहम हो जाता है और इस के प्राम एड कान्स सोचने की जरूरत है। मुझे उन पर कोई शक नहीं है, जिस ढंग से वह लाए हैं और यह खुशी की बात है कि यह पब्लिक सेक्टर के हक में बोले हैं। पब्लिक सेक्टर हम चाहते हैं, हमारी गवर्नमेंट की पालिसी भी यह है कि जहां तक हो सके पब्लिक सेक्टर को मजबूत किया जाय। जहां जहां खराबियां हैं उस को दुरुस्त किया जाय। इसमें कोई दो राय नहीं हैं। मैं यह बातें इसलिए कहता हूं कि हम उन के साथ सहमत हैं इस बात में।

अब मैं कुछ चीजें अर्ज करना चाहता हूं। मैं यह कहता हूं कि ठीक है काम करने में कभी कभी सुस्ती हो सकती है। काम करने में कभी कभी थोड़ी बहुत कहीं कमी रह जाती है। लेकिन यह कमी कोई सरकार बर्दाश्त नहीं कर सकती कि आर्बिट्रेरिली सारी चीजें होती रहें। मैं ए० बी० सी० किसी के भी खिलाफ नहीं हूं। यह एफ० सी० आई० या नई आई है हमारे सामने ... (व्यवधान) मैंने न बनर्जी कहा न मुखर्जी कहा। मैं तो ए० बी० सी० कह रहा हूं। मुझे नहीं पता है कि कौन है कौन नहीं है। मैं इतना नहीं जानता। मैं सिर्फ यह जानता हूं कि वहां एक क्लास काम कर रही है। मैं हमेशा टेक्नोक्रेट्स के हक में रहा हूं। इसलिए कि उनको टेक्निकल बातों का पता होता है। टेक्निकल बातों का पता हो, हमारे मुल्क को आगे ले जाय, इसमें कोई दो रायें नहीं हो सकती। यह होना चाहिए। लेकिन यह भी है कि हमारे टेक्नोक्रेट्स, मैं नाम नहीं लेना चाहता, बड़ी बड़ी जगहों पर वह हैं, लेकिन उन का काम वहीं खड़ा है, मुल्क की प्रोडक्शन आगे ले जाना चाहते थे, वह वहीं खड़ा है, कोआर्डिनेशन कोई चीज़ों में आया है और कारण यह है कि वह अपने ढंग की वहां पाबन्दी लगाते हैं, कि यह होना चाहिए, वह होना चाहिए। मैं कोई आई० सी० एस० या इस क्लास के हक में नहीं हूं न मैं किसी के खिलाफ हूं। ... (व्यवधान)

आप की बारी आएगी तो आप बोल लेना। मैं यह अर्ज करता हूं कि टेक्नोक्रेट्स के हक में मैं इसलिए रहा हूं कि इन का काम करने दिया जाय क्योंकि इन को पता है कि कहां खराबी है और कौन सा काम हमें करना है। शायद आई० ए० एस० या दूसरे लोग उस बात को जान नहीं पाते। लेकिन कई बार यह समझते हुए भी मैं अपने अन्दाज में कुछ चीजें रखना चाहता हूं। हमारे दोस्त ने कहा कि आन्ध्र में .01 परसेंट था। रुपया नहीं बता सके कि कितना है। रुपया किस ने दिया और कौन वह है। किन दूसरी चीजों में रुपया देने वाली वह 13-14 पार्टीज थीं ? किस वजह से दिया गया ? इस की क्यों न तहकीकात की जाय ? मैं समझता हूं आप इसके